साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.com** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 16 — गोंदिया : गुरुवार, 26 नवम्बर 2020 — पृष्ठ : 4 — मूल्य : रु. 5

कोरोना का फिर से बढ़ता खतरा

शालाओं को शुरु करना शासन का निर्णय कितना सही?

गोंदिया- देश के साथ-साथ राज्य व जिले में भी कोरोना का संक्रमण फिर से बढ़ने लगा है। जिसके चलते महाराष्ट्र सरकार द्वारा ९ वी से १२ वी तक की शालाओं को शुरु किया गया है। जिससे शासन का यह निर्णय कितना सही साबित होंगा इस पर प्रश्न चिन्ह निर्माण होने लगा है। इस निर्णय से कोरोना का प्रकोप कहीं और अधिक बढ़ न जाए जिससे स्वास्थ्य विभाग के समक्ष एक नई चुनौती सामने आ सकती है।

गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण के चलते राज्य में शैक्षणिक सत्र २०-२१ के लिए शालाएं शुरु नहीं की गई थी। लेकिन महाराष्ट्र सरकार द्वारा मिशन बिगीन अगेन के अंतर्गत २३ नवंबर से ९ वी से १२ वी तक के विद्यार्थियों के लिए शालाएं शुरु की है। हालांकि इसमें कोरोना से बचाव के दिशानिर्देश भी जारी करने के साथ ही पालकों की अनुमति अनिवार्य है। विशेष यह है कि दीपावली के बाद कोरोना का संक्रमण फिर से बढ़ने लगा है। जिससे शासन द्वारा शालाओं को शुरु करने का यह निर्णय कहीं बड़ी मुसिबत बनकर सामने आ सकता है। जिससे यदि संक्रमण का प्रसार अधिक हुआ तो स्वास्थ्य विभाग के समक्ष एक नई चुनौती बनकर सामने आ सकती है। विशेष यह है कि जिले में ३२९ शालाएं शुरु की गई है। जिसमें २ हजार ९८२ शिक्षकों की संख्या, १ हजार २४१ शिक्षकोत्तर कर्मचारी तथा ६२ हजार ८४४ विद्यार्थियों की संख्या है। हालांकि शालाएं शुरु होने पर मात्र ३६ प्रतिशत पालकों ने ही अनुमति दी है।

आदिवासी आश्रमशालाओं में हो सकता कोरोना विस्फोट

शासन द्वारा शाला शुरु करने के इस निर्णय में आदिवासी आश्रम शाला शुरु करने का निर्णय लिया है। लेकिन आश्रम शाला में एक साथ सैकड़ो विद्यार्थी, शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को एक साथ रहना होता है। यदि एक भी इनके बीच संक्रमित हो जाता है तो इन स्थानों पर कोरोना संक्रमण का विस्फोट होने के साथ ही बड़ी संख्या में संक्रमितों की संख्या बढ़ सकती है।

सुरक्षा पर कड़ी नजर

शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार कोरोना से संबंधित सभी सुरक्षा नियमों का सावधानी से पालन करने के साथ ही उसपर कड़ी नजर रखी जा रही है। जिसके लिए निजी शालाओं के प्रबंधको व प्रधानध्यापक को शाला में सेनेटाईज करने, हेंडवाश की व्यवस्था करने, सामाजिक अंतर का पालन करने के कड़े निर्देश दिए गए है। साथ ही उसका निरीक्षण भी विभाग द्वारा किया जा रहा है।

-प्रफुल कचवे,
शिक्षाणाधिकारी माध्य.जिप, गोंदिया

नियमों का पालन करने में शिक्षा विभाग कितना सक्षम

शालाएं शुरु करने के पूर्व शासन द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार सभी शिक्षकों का कोरोना जांच करवाना अनिवार्य, शालाओं को सेनेटाईज करना, विद्यार्थियों में सामाजिक अंतर रखने के लिए ५० प्रतिशत विद्यार्थियों की उपस्थिती के निर्देश दिए है। लेकिन जब शालाएं शुरु होती है तो विद्यार्थियों की बीच सामाजिक अंतर को बरकरार रखने में शिक्षक व शिक्षा विभाग कितने सक्षम साबित होंगे यह आनेवाला समय ही बता पाएगा।

शादी समारोह में ५० से अधिक लोग नहीं हो सकेंगे शामिल

गोंदिया- गोंदिया जिले में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए विवाह व अन्य कार्यक्रमों में ५० से अधिक लोगों के शामिल होने पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिसके कारण विवाह समारोह के आयोजक तथा लॉन संचालक चिंतित है। ऐसा माना जा रहा था कि नया संशोधित आदेश तुलसी विवाह के पश्चात जारी किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। हालांकि नवंबर माह के दुसरे सप्ताह से कोरोना मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। जिसके चलते संशोधित आदेश जारी नहीं होंगा। इस प्रकार की चर्चा नागरिकों द्वारा की जा रही है। ज्ञात हो कि दीपावली समाप्त होने के बाद ही विवाह समारोह का कार्यक्रम शुरु हो जाता है। इस दौरान जिले में सगाई के कार्यक्रम बड़े पैमाने हो रहे है। वहीं नवंबर माह के दुसरे सप्ताह से कोरोना मरीजों की संख्या आये दिनों बढ़ती जा रही है। जो कि प्रशासन के साथ ही नागरिकों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। लॉन संचालकों द्वारा अंदेशा लगाया गया था कि विवाह समारोह के लिए कुछ नए राहत भरे नियम शासन द्वारा जारी किए जाएगे। लेकिन ऐसा होता नहीं दिखाई दे रहा है। पूर्व में जो आदेश जारी किए गए थे, उस आदेश पर अमल कर जिला प्रशासन कार्य कर रहा है। आदेश में कहा गया है कि विवाह समारोह में ५० से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकेंगे। जिसके कारण नागरिकों में नाराजगी देखने को मिल रही है।

जारी नहीं हुए आदेश

विवाह समारोह में ५० लोगो को शामिल होने की अनुमति प्रशासन द्वारा परिपत्रक के माध्यम से दी गई है। अभी फिलहाल नए आदेश जारी नहीं हुए है। इसलिए पूर्व आदेश पर ही अमल किया जा रहा है।

- राजन चौबे,
जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी, गोंदिया

शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालयों को प्लाजमा थेरेपी की मंजूरी

गोंदिया- कोविड-१९ के मरीजों को उपचार करने की दृष्टि से शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय व चिकित्सालय गोंदिया में रक्तपेटी केंद्रों में प्लाजमा फेरी की युनिट को एफडीए एंड डब्लुझेड मुंबई की ओर से मंजुरी प्रदान की गई। सात दिनों की अंदर प्लाजमा थेरेपी का कार्य शुरु किया जाएगा। कोरोना संक्रमण से मुक्त हुए मरीज प्लाजमा थेरेपी को दान कर सकते है। प्लाजमा फेरी में युनीट की मंजूरी व प्रमाणपत्र मिलने के उद्देश्य से वैद्यकिय शिक्षण व औषधी द्रव विभाग के तत्कालीन सचिव डॉ. संजय मुखर्जी, वैद्यकीय शिक्षण व संशोधन संचालनालय के संचालक डॉ. तात्याराव लहाने उसी तरह रुविना बोस, गाडेकर व रामटेके के सहकार्य से अधिष्ठाता डॉ. नरेश तिरपुडे, विकृतीशास्त्र विभाग के सहयोगी प्राध्यापक डॉ. यादव व चव्हान, रक्तपेटी के अधिकारी व कर्मचारी के निरंतर सहकार्य से प्लाजमा फेरी को केंद्र की मंजुरी मिलने में सफलता मिली।

कोरोना संक्रमण से मुक्त होने के तीन महिने व मरिजों की छुटटी होने के पश्चात २८ दिनों में मरीज प्लाजमा कर सकते है। इस हेतु संबंधित व्यक्ति १८ से ६० उम्र व उनका वजन ५० किलो तथा कोई भी बिमारी नहीं होना अनिवार्य है। संबंधित व्यक्ति के रक्त से २०० से ६०० मि.ली. प्लाजमा संबंधित व्यक्ति की रोग प्रतिशोधन क्षमता ली जाएगी। ऐसी जानकरी वैद्यकीय महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नरेश तिरपुडे ने दी।

२५ नवंबर तक सभी केंद्रों पर धान खरीदना शुरु करें - पालकमंत्री मंत्री अनिल देशमुख

नए केंद्रो के लिए तत्काल आवेदन पेश करें

गोंदिया - जिले के सभी धान खरीदी केंद्रो को २५ नवंबर तक शुरुकरने के निर्देश गृह मंत्री व जिला पालक मंत्री अनिल देशमुख ने पणन अधिकारी को सौंप दिया। नए अनाज खरीदी केंद्रो का शुभारंभ हेतु प्रस्ताव तुरंत पेश किया जाना चाहिए। जिले में धान खरीदी केंद्र को लेकर हुई समिक्षा बैठक पालक मंत्री बोल रहे थे।

इस अवसर पर विधायक चंद्रिकापुरे, सहषराम कोरोटे, जिलाधिकारी दीपक कुमार मीना, देवराज वानखेडे, जिला पणन अधिकारी भारतभूषण पाटिल, प्रादेशिक व्यवस्थापक अविनाश राठौड, अतुल नेरकर उपस्थित थे। २८ अक्टुबर को जिलाधिकारी ने पणन अधिकारी के कार्यक्षेत्र में ७० धान खरीदी केंद्र व आदिवासी विकास महामंडल के क्षेत्रों में ४४ धान खरीदी केंद्र को मंजुरी दी थी। २२ नवंबर तक पणन अधिकारी ४१ केंद्रो में २१ हजार क्विंटल व आदिवासी विकास महामंडल के ३ केंद्रो में २ हजार क्विंटल धान खरीदी किया गया। वहीं २५ नवंबर तक जिले के सभी केंद्रो पर धान खरीदी शुरु करने के निर्देश पालक मंत्री ने पणन अधिकारी को दिए।

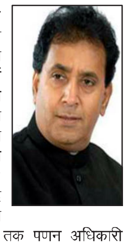

भारी वाहनों के टैंक्स में वृद्धि छोटे वाहनों पर छुट कायम

गोंदिया- सार्वजनिक बांधकाम विभाग के निजीकरण परियोजनाओं पर केवल भारी वाहनों के लिए सड़क कर की दर बढ़ाने तथा कारों, जीपों, एसटी और स्कूल बसों और हल्के वाहनों के लिए छूट को बनाए रखने के लिए केबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया। उपरोक्त वृद्धि लगभग १० प्रतिशत है और प्रस्तावित वृद्धि दर राष्ट्रीय राजमार्गो पर टोल की तुलना में कम है। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने की। वर्तमान में राज्य में सार्वजनिक बांधकाम विभाग की १५ परियोजनाओं के तहत वाहनों को रोड टैक्स में छूट दी जा रही है। इस छूट के कारण, इन सड़क कर उद्यमियों को हर साल सरकार को ३५० से ४०० करोड़ रुपये का मुआवजा देना पड़ता है। भारी वाहनों पर टोल को कुछ हद तक नग में मुआवजे के भुगतान के बिना और इस टोल की वसूली के लिए वाहनों के प्रकार को बढ़ाने का निर्णय लिया गया। वाहनों की संख्या इस प्रकार - कार, जीप, टाटा सूमो, कमांडर, ट्रक ड्राईवर और अन्य समानों को छोड़कर ६ सीटर यात्री रिक्शा। मिनीबस या समान वाहन, २ घोड़ा ट्रक, बस, ३ पहियों वाले भारी वाहन।

केबिनेट बैठक में वाहनों की संख्या ५ करने का निर्णय लिया गया। इस प्रकार ट्रक-ट्रेलर, तीन-पहिया वाहनों से अधिक नए पेश किए गए थे।

शिक्षकों की आरटीपीसीआर जांच बनी चुनौती

गोंदिया- शिक्षा विभाग ने २३ नवंबर से कक्षा ९ वी से १२ वी तक की स्कूलों को शुरु करने का निर्देश दिए। शिक्षकों को कोविड- १९ के आरटीपीसीआर जांच करना अनिवार्य है। विभाग ने सभी शिक्षकों की आरटीपीआर जांच २२ नवंबर तक होनी चाहिए थी। जब शिक्षक दिए जगए जांच सेंटारो पर सुबह १०.३० बजे पहुंचे तो सेंटर पर कोई भी तकनिकी कर्मचारी उपस्थित नहीं था। गोंदिया शहर के मालवीय स्कूल के जांच सेंटर पर सुबह १०.३० बजे से दोपहर ४ बजे तक कोई भी टेक्निशियन उपलब्ध नहीं होने का मामला २० नवंबर को सामने आया। जिसे देखते हुए कहा जा रहा है कि शिक्षकों को आरटीपीसीआर जांच स्वास्थ्य विभाग के लिए एक चुनौती से कम नहीं है। चर्चा चल रही है कि नियोजन के अभाव में ही इस तरह की समस्या सामने आ रही है। ज्ञात हो कि कोविड १९ के संक्रमण को देखते हुए राज्य की सभी स्कूलें बंद है। शासन ने शैक्षण्किा नुकसान को देखते हुए २३ नवंबर से कक्षा ९ वी से १२ वी तक की कक्षाओं को सरकार द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों का पालन कर शुरु करने का निर्णय लिया। उपरोक्त कक्षाओं को पढ़नेवाले शिक्षक तथा संबंधित कर्मियों को सर्वप्रथम कोविड-१९ कर आरटीपीसीआर जांच करना अनिवार्य कर दिया गया है। गोंदिया शिक्षा विभाग ने संबधित शिक्षकों को आरटीपीसीआर जांच के लिए ८ जां सेंटर उपलब्ध कराए है। सभी शिक्षकों को अवगत कराया गया है कि २० नवंबर को दिए गए जांच सेंटरो पर सुबह १०.३० बजे उपस्थित होकर अपनी जांच कराए। जिसके तहत गोंदिया शहर के मालवीय स्कूल में निर्मित जांच सेंटर में जब जिले के शिक्षक जांच कराने पहुंचे तो वहां पर दोपहर ४ बजे तक आरअीपीसीआर के सैंपल लेने वाले टेक्निशियन ही उपलब्ध नहीं थे

आरटीपीसीआर केंद्रो की सूची

गोंदिया में शिक्षकों की आरटीपीसीआर जांच करने के लिए ८ सेंटरों का निर्माण किया गया है। जिसमें जिला चिकित्सालय, प्रायमरी स्कूल नप गणेशन गोंदिया, नप प्रायमरी स्कूल गोविंदपुर, नप प्रायमरी स्कूल रामनगर, नप प्रायमरी स्कूल मालवीय नगर, नप प्रायमरी स्कूल माताटोली, युपीएस सेंटर कुंभारे नगर व नगर परिषद की प्रायमरी स्कूल मरारटोली इन आठ आरटीपीसाआर सेंटरो का समावेश है।

जानकारी ली जा रही है

नगर परिषद गोंदिया प्रायमरी स्कूल मालवीय वार्ड में आरटीपीआर केंद्र शुरु है। समय पर टेक्निशियन नहीं पहुंचा इसकी जानकारी ली जाएगी। सभी शिक्षकों की समय पर जांच हो इस हेतु पुरा प्रयास किया जा रहा है।

- डॉ. नितीन कापसे,
डीएचओ, जिप गोंदिया

गोंदिया पुलिस व रामनगर पुलिस की बड़ी कार्यवाई

चोरी की घटनाओं से पर्दाफाश

गोंदिया- शहर में हुई दो अलग-अलग चोरी की घटनाओं का पर्दाफाश गोंदिया पुलिस व रामनगर पुलिस द्वारा किया गया। गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले गणेश नगर स्थित जिप कार्यालय में रखे हांथपंप तथा सुधार कार्य हेतु रखी नई व पुरानी सामग्री सहित ६ लाख ८८ हजार ७८५ रुपए के माल पर किन्ही अज्ञात चोरो द्वारा हांथ साफ किया गया। यह घटना १० से १३ नवंबर के दौरान घटित हुई। इस संदर्भ में फर्यादी राधेश्याम शंकर राउत की शिकायत के आधार पर शहर पुलिस ने अज्ञात चोरो के खिलाफ धारा ४५६,४५७,३८० के तहत मामला दर्ज किया। उपरोक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे ने प्रभारी अधिकारी को मार्गदर्शक सुचना दी तथा पथक तैयार किया गया। उक्त पथक को मिली गुप्त जानकारी के आधार पर आशिष गणेश बावने (२८), रोशन शिवनारायण लामकसे (२७), दोनो निवासी गौरीनगर गोंदिया, प्रशांत सत्यवान वानखेडे (२१), अनिल सिंह नरेंद्र सिंह गौर (२८), मयुर सिद्धार्थ भालाधरे तीनो निवासी गणेशनर गोंदिया को हिरासत में लिया गया। आरोपियों से जब पुलिस ने कड़ाई से पुछताछ की तो उन्होंने ने अपना गुन्हा कबुल किया। वहीं आरोपियों द्वारा चोरी की गई सामग्री भी पुलिस ने जब्त की। सभी आरोपियों को न्यायलय में पेश किया गया जहां उन्हें २३ नवंबर तक पुलिस रिमांड में रखने का आदेश दिया गया। मामले की आगे की जांच पुलिसकर्मी राणे कर रहे है। उक्त कार्यवाई पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे व अपर पुलिस अधिक्षक अतुल कुलकर्णी तथा उपविभागीय पुलिस अधिकारी जगदीश पांडे के मार्गदर्शन में बबन आव्हाड, राणे, जागेश्वर उईके, ओमेश्वर मेश्राम, सुबोध बिसेन, योगेश बिसेन, प्रमोद चव्हान, विजय मानकर, विनोद शहारे तथा छगन विठ्ठले द्वारा की गई।

दुसरी कार्यवाई रामनगर पुलिस द्वारा की गई। जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी के विभागीय भंडार कक्ष सुर्याटोला में तांबे की पट्टी २० बॉक्स, स्टे प्लेट ५० , स्टे रॉड २५, एल ब्लो १७ नग तथा जीआय तार १०० किलो ऐसा कर कुल २ लाख ९०१ रु का माल अज्ञात चोरो द्वारा चोरी किया गया। यह घटना २९ दिसंबर से लेकर १ नवंबर के दौरान घटित हुई। फर्यादी प्राची विठ्ठल काले (सहायक अभियंता) महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी की शिकायत के आधार पर अज्ञातों चोरो के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उक्त मामले गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे के मागर्दशर्न पर एक पथक तैयार किया गया। इस मामले को लेकर पथक को मिली गुप्त जानकारी के आधार पर ११ नवंबर के दौरान शुभम उर्फ मास जनुजी चौधरी (१९)निवासी सुंदरनगर गोंदिया तथा जय उर्फ ददु प्रवीण भालाधरे (१९) निवासी सिंगल टोली को हिरासत में लिया गया। उक्त मामले के आरोपियों को २४ घंटो के भीतर दबोचा गया व आरोपियों के पास से ४३ हजार २९० रु का माल जब्त किया गया। मामले की आगे की जांच पुलिसकर्मी टिलेकर कर रहे है। उपरोक्त कार्यवाई पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे, गोंदिया अपर पुलिस अधिक्षक अतुल कुलकर्णी तथा उवविभागीय पुलिस अधिकारी जगदीश पांडे के मार्गदर्शन में पुलिसकर्मचारी घोंगे, टिलेकर, दरासिंग पटेल, संतोष केदार, धनंजय बडवाईक, शाम राठोड, आशिष अग्नीहोत्री, दिक्षीकुमार दमाहे, राजेंद्र मिश्रा, महेश मेहर, रेखलाल गौतम द्वारा की गई।

संपादकिय

बचाव की प्राथमिकता

टीका तैयार करने को लेकर अधिकतम उच्चस्तरीय सावधानी की जरुरत इसलिए भी पड़ती है कि एक टीका जो जीवन रक्षक की भूमिका निभा सकता है, उसी में वरती गई बेहद मामूली कोताही किसी व्यक्ति के शरीर में दूसरी बीमारियां पैदा कर सकता है, उसकी जान तक जा सकती है।

कोरोना के महामारी घोषित होने के बाद इससे बचाव की तमाम कोशिशों के बावजूद आज भी लोगों के इससे संक्रमित होने का सिलसिला रुका नहीं है। संक्रमण पर काबू पाने के मकसद से लागू पूर्णबंदी, मास्क लगाने, दैहिक दूरी बरतने के साथ बार-बार हाथ धोने जैसे अन्य उपायों के बीच इसका जोर थोड़ा कम होता हुआ दिखा था, लेकिन अब कुछ शहरों में फिर से संक्रमण के मामले बढ़ने के बीच यह चिंता स्वाभाविक है कि इसका ठोस इलाज कब सामने आएगा।

पिछले कई महीने से दुनिया के अलग-अलग देशों में कोविड-१९ के इलाज के लिए कारगर टीका तैयार करने का काम जोर-शोर से जारी है और इसमें प्रगति की भी सूचनाएं हैं। हालांकि यह भी तथ्य है कि किसी भी गंभीर संक्रमण वाली बीमारी का टीका तैयार करने में लंबा वक्त लगता है। उसे अनेक प्रयोगों और परीक्षणों के दौर से गुजरना पड़ता है, उसे पूरी तरह सुरक्षित होने की कसौटी पर परखा जाता है। इस लिहाज से देखें तो अभी यह तय नहीं है कि कोविड-१९ से बचाव के लिए जिन टीकों पर काम हो रहा है, उसके अंतिम रुप से तैयार होकर सामने आने में कितना वक्त लगेगा। मगर टीका आने के बाद जरुरतमंद तबकों के बीच प्राथमिकता के मुताबिक वहां तक उसकी पहुंच सुनिश्चित करना भी एक बड़ी चुनौती होगी।

इस संदर्भ में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का यह बयान महत्वपूर्ण है कि टीका तैयार होकर आने के बाद स्वास्थ्यकर्मियों और बुजुर्गो को प्राथमिकता दी जाएगी। ये दोनों ही तबके चूंकि कोरोना के संक्रमण में आने के लिहाज से ज्यादा जोखिम की स्थिति में होते हैं, इसलिए इन्हें पहले सुरक्षित बनाना एक सही कदम होगा। अब तक दुनिया भर में यही देखा गया है कि इस बीमारी की जद में आने और जीवन गंवाने वालों में सबसे ज्यादा बुजुर्ग ही रहे। इसके अलावा, कोविड-१९ के मरीजों के इलाज के क्रम में सीधे संपर्क में आने और खुद भी संक्रमित होने की वजह से कई डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की भी जान गई।

गौरतलब है कि कोरोना से बचाव के लिए कई देशों में टीका तैयार करने की कोशिश जारी है। कुछ समय पहले रुस की ओर से दावा किया गया था कि वहां चिकित्सा वैज्ञानिकों ने स्पुतनिक नामक टीका तैयार कर लिया है। तव इस महामारी का सामना करने के मामले में एक बड़ी उम्मीद जगी थी। लेकिन किसी भी संक्रामक रोग के लिए टीका तैयार करने की जो प्रक्रिया है, उसकी जटिलता और उसमें लगने वाले वक्त के मद्देनजर फिलहाल जल्दबाजी में तैयार किए गए टीके को लेकर अभी वैश्विक स्तर पर सहमति नहीं बन पाई है।

दरअसल, टीका तैयार करने को लेकर अधिकतम उच्चस्तरीय सावधानी की जरुरत इसलिए भी पड़ती है कि एक टीका जो जीवन रक्षक की भूमिका निभा सकता है, उसी में बरती गई बेहद मामूली कोताही किसी व्यक्ति के शरीर में दूसरी बीमारियां पैदा कर सकता है, उसकी जान तक जा सकती है। यही वजह है कि मनुष्यों को लगाए जाने वाले किसी भी टीके को पहले प्रयोगशालाओं में विभिन्न चरणों और पशुओं पर प्रयोग के बाद कुछ मानव समूहों पर भी परीक्षण के दौर से गुजारा जाता है। उसके दुष्परिणामों की हर आशंका को खत्म करके उसे निर्दोष बनाया जाता है। इसलिए यह ध्यान रखने की जंरत होगी कि जो भी टीका तैयार होने के बाद उपलब्ध कराया जाए, वह वर्तमान और भविष्य में आम लोगों की सेहत के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित हो। इन तथ्यों के मद्देनजर फ्लिहाल इसका इंतजार करना होगा कि तमाम प्रयोगों और परीक्षणों से गुजरने के बाद दुनिया के चिकित्सा वैज्ञानिक किस टीके लेकर एक राय पर पहुंच पाते हैं।

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें ।

– संपादक

जिले में सबसे अधिक चने की बुआई

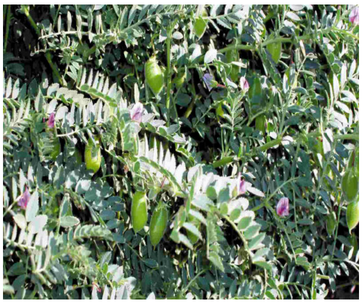

गोंदिया– धान के कटोरे के नाम से प्रसिद्ध गोंदिया जिले के किसानों ने खरीफ के बाद अब रबी फसलों की तैयारियां शुरु कर दी है। ३५ हजार हेक्टेयर क्षेत्र का नियोजन कृषि विभाग की ओर से किया गया था। जिसमें लगभग ७ हजार हेक्टेयर क्षेत्र की बुआई पूर्ण हो गई है। प्रतिवर्ष की तुलना में इस वर्ष चने की फसल का ग्रॉफ बढ़ा है। वहीं लाखोरी का क्षेत्र घटने की जानकारी कृषि विभाग की ओर से दी गई। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष रबी मौसम में गोंदिया जिले में ३५ हजार हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसले लगाई जा रही है। जिसमें सर्वाधिक फसल चने की है। ७ हजार से अधिक हेक्टेयर क्षेत्र में चना, ८०० हे.से अधिक क्षेत्र में लाखोरी, २०० हे.से. अधिक क्षेत्र में पोपट, ५०० से अधिक हेक्टेयर में अलसी, ७०० से अधिक क्षेत्र में गेंहु, ४०० हेक्टेयर में ज्वारी, ३५० हेक्टेयर में करडई, २ हजार हेक्टेयर से अधिक में सब्जी एवं अन्य फसलें लगाई जा रही है। अब तक ६ से ७ हजार हेक्टेयर में बुआई पूर्ण हो चुकी है। बदरीले मौसम तथा बेमौसम बारिश के कारण धान कटाई व चुराई के कार्य प्रभावित होने से रबी फसलों का किसानों का नियोजन भरी प्रभावित हो गया है। रबी का क्षेत्र बढ़ाने के लिए कृषि विभाग द्वारा इस वर्श प्रात्यक्षिक बढ़ाए गए है। जिससे अप्रत्यक्ष रुप में रबी का क्षेत्र भी बड़ गया है। लखोरी की मांग अचानक घटने के कारण किसानों ने लाखोरी की बजाय चना उत्पादन का क्षेत्र बढ़ा दिया है। चने के साथ ही सब्जी का क्षेत्र भी बढ़ गया है।

> रबी में पारंपारिक धान उत्पादन के बजाए सब्जियां एवं कठानी फसलों के उत्पादन से किसानों को कम समय में अधिक मुनाफा प्राप्त होता है। इन फसलों का क्षेत्र बढ़ाने के लिए किसानों को उचित मार्गदर्शन किया जा रहा है। इस वर्ष रबी का क्षेत्र बढ़ाने के लिए ज्वार, करडई चना तथा अन्य फसलों के प्रात्यक्षिक बढ़ाए गए है।
>
> –**गणेश घोरपड़े**, कृषि अधीक्षक, गोंदिया

किसानों को एक लाख कृषि पंप के लिए

बिजली कनेक्शन हेतु नई नीति की घोषणा

गोंदिया– केबिनेट की बैठक में नए कृषि पंपों को जोड़ने की नीति की घोषणा की गई। जिनमें कम दबाव लाइनों, उच्च दबाव लाइनों, सेवा कनेक्शन और सौर कृषि पंपों के माध्यम से बिजली कनेक्शन प्रदान करने का विकल्प है और राज्य भर में हर साल लगभग एक लाख कृषि पंप जुड़े होंगे। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने की। इस योजना के तहत, सभी कृषि उपभोक्ताओं को तीन साल की अवधि में प्रति दिन ८ घंटे बिजली देने की योजना है। कृषि फीडरों और वितरण रोहित्रों आदि पर मीटर अद्यतन करना इ. काम करना हैं। साथ ही मौजूदा कृषि पंपों में केपेसिटर लगाए जाएंगे।

इसके लिए सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे की लागत के लिए २०२४ तक एमएसइडीसीएल शेयर पूंजी के रुप में १५०० करोड़ रुपये प्रति वर्ष प्रदान करने का निर्णय लिया गया था। इसके अलावा, मुख्यमंत्री सौर कृषि पंप योजना के तहत हर साल एक लाख सौर कृषि पंप प्रदान किए जाएंगे। कृषि उपभोगताओं को बिजली आपूर्ति करने के लिए वितरण उप-स्टेशन स्तर पर विकेंद्रिकत सौर उर्जा संयंत्र स्थापित करके कृषि उपभोगताओं को बिजली की आपूर्ति करने के लिए एक दीर्घकालिक योजना लागू की जाएगी। कृषि उपभोगताओं के बकाया की वसूली के लिए ग्राम विद्युत प्रबंधकों, ग्राम पंचायतों, किसान सहकारी समितियों, महिला बचत गटों को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। पांच साल पहले तक और पांच साल तक के कृषि पंपों के बकाया ब्याज और विलंब शुल्क माफ करके ठीक किया जाएगा। बकाये का भुगतान ३ वर्ष में करने की अनुमति होगी। पहले वर्ष में भुगतान की गई राशि पर १०० प्रतिशत की छूट, दूसरे वर्ष पर ३० प्रतिशत की छूट और तीसरे वर्ष पर २० प्रतिशत की छूट दी जाएगी। बरामद राशि में से ३३ प्रतिशत का उपयोग ग्राम पंचायत क्षेत्र के लिए किया जाएगा। संबंधित जिले के लिए ३३ प्रतिशत और राज्य में कृषि पंप बिजली कनेक्शन के बुनियादी ढांचे के लिए ३३ प्रतिशत। इस प्रकार, राज्य में कृषि पंप नीति को लागू करने का निर्णय लिया गया।

वर्षा लेखराम लिल्हारे की सफलता

गोंदिया– पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी के मार्गदर्शन में दि.२१ दिसंबर को अतिदुर्गम आदिवासी क्षेत्र दर्रेकसा में कु. वर्षा लेखराम लिल्हारे को राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता (एन.आई.आई.टी) के क्षेत्र में सफलता मिली व उसकी नियुक्ति उज्जैन राज्य मध्य प्रदेश के एम.बी.बी. एस अभ्यासक्रम के पहले ही राऊंड में नियुक्ति की गई। कु वर्षा लेखराम लिल्हारे का जन्म आदिवासी क्षेत्र में हुआ इसके बावजूद राष्ट्री शिक्षा अर्जित कर दर्रेकसा आदिवासी गांव का नाम रोशन किया। उक्त कार्यक्रम में सालेकसा थानेदार प्रमोद बघेले, प्रभारी अधिकारी उपनिरिक्षक सुदर्शन लंगले, पुलिस निरिक्षक सतीश नवले व जिला पुलिस व आय.आर.बी. १५ के सभी अधिकारी व पुलिस भरती पूर्व प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। सभी ने कु वर्षा लेखराम लिल्हारे इस सफलता में अभिनंदन व्यक्त किया। इस अवसर पर उपविभागीय पुलिस आकिरी जालींदर नालकुल के मार्गदर्शन में अतिदुर्गत क्षेत्र दर्रेकसा के पुलिस उपनिरिक्षक सुदर्शन इंगोले, सतिश नवले, जिला पुलिस व आय. आर. बी गट १५ के सभी अधिकारी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

आज की बात : धीरज एक आभूषण या...

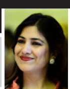

तमन्ना मटलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

धीरज एक ऐसा शब्द है जिसका दामन थामने से ही सब कुछ हमारी सोच के अनुसार हो सकता है। जो भी व्यक्ति धीरज नाम के शब्द में अपना विश्वास दिखाता है, असफलता उस व्यक्ति के पास कभी नहीं पहुंच सकती और सफलता हमेशा उनके कदम चूमती है।

आज के इस बदलने वाले दौर में हर कोई व्यक्ति कम समय में सब कुछ हासिल करने की चाहना रखता है। किसी भी व्यक्ति के पास वक्त ही नहीं है, ऐसा लगता है जैसे हर कोई सिर्फ चलती ट्रेन में सवार होना चाहता है। हर व्यक्ति को अपने मतलब का रिजल्ट चाहिए और शीघ्र ही चाहिए।

ऐसी परिस्थिति में सच देखा जाए तो आज के इस युग में धीरज सबसे कारगर साधन साबित हो सकता है। कोई भी व्यक्ति जल्दबाजी में सिर्फ गलतियां ही करेगा, अगर धीरज रखकर हम सोच विचार करते हुए और समझ कर कोई निर्णय लेते है तो गलतियां होने की संभावनाएं कम हो जाती है।

जैसा कि हम सभी जानते ही हैं कि सहनशीलता के पूरक को ही धीरज अथवा धैर्य कहा जाता है। धीरज मानव के व्यक्तित्व को ऊंचा उठाने का एक उत्तम गुण है। एक सहनशील व्यक्ति विपत्ति आने पर भी अपना मानसिक संतुलन बनाए रखता है और शांत चित्त होकर इस पर नियंत्रण करते हुए दुखों से बचने का सरल मार्ग खोजने का निरंतर प्रयास करता रहता है। मनुष्य के जीवन में अनुकूल अथवा प्रतिकूल परिस्थतियों का निरंतर आना-जाना होता रहता है। शांत चित्त रहते हुए इन्हीं विपरीत परिस्थतियों पर जीत हासिल करने के बाद ही व्यक्ति धैर्यवान व्यक्तित्व वाला बन पाता है। इस गुण के कारण वह सुख के समय प्रसन्नता से फूला नहीं समाता और न दुख में निराश होकर बैठता है बल्कि हर एक अवस्था में समान रुप से कर्मशील बना रहता है। धैर्य के गुण को प्राप्त करके मनुष्य में असाधारण सामर्थ्य आ जाती है। वह न केवल अपने लक्ष्यों को प्राप्त करता जाता है, बल्कि दूसरों को उचित सलाह देने के लिए भी सदैव तैयार रहता है। मनुष्य को जीवन मार्ग पर चलते हुए अनेक विकट परिस्थतियों का सामना करना पड़ता है, अनेक संघर्ष करने पड़ते हैं, परंतु इनका सामना धीरज रख कर ही किया जा सकता है। सामान्य परिस्थितियों में तो जीवन एक लय-ताल में चलता रहता है, परंतु धीरज की परीक्षा तो विपत्ति आने पर ही होती है।

धैर्य के गुण का महत्व जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों में स्पष्ट रुप से महसूस किया जा सकता है। परंतु यह धीरज एक सीमा तक ही होना अत्यंत आवश्यक है अन्यथा व्यक्ति के इसी गुण को उसकी कमजोरी समझकर उसके अधिकारों का हनन किया जाने लगता है। सहनशील व्यक्ति को शांत देखकर उसका शोषण करना आरंभ हो जाता है। अत: धीरज को अपने व्यक्तित्व का आभूषण बनाएं न कि कमजोरी।

आवश्यक्तानुसार ही हमें यह स्वयं निर्णय लेते रहना है कि हमारा धीरज रुपी आभूषण दिनों-दिन हमारे व्यक्तित्व को निखारता चला जाए क्योंकि जिस समय यह गुण हमारी कमजोरी बनता हुआ नजर आएगा,तब तक बहुत देर हो चुकी होगी। वक्त के अनुसार हमें अपनी सोच को बदलना जरुरी है, फिर देखिएगा हर एक बात हमारे मन को लुभाने वाली ही होगी। आज हर किसी के मन में दूसरे से अधिक हासिल करने की चाहत है। यह कोई भी नहीं देखता की सामने वाले व्यक्ति ने कामियाबी को हासिल करने के लिए कितनी मेहनत की है और कितना धीरज रखा होगा।

आइए हम सभी मिलकर आज यह प्रण करें कि भले ही परिस्थिति केसे भी क्यों न हो हम हमेशा धीरज का दामन परिस्थति के अनुसार थाम कर रखेंगे...

तुलसी विवाह

कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहते हैं। यह एकादशी दीपावली के ११ दिन बाद आती है। देवउठनी एकादशी के दिन तुलसी विवाह का उत्सव भी मनाया जाता है। हिन्दू मान्यता के अनुसार इस तिथि पर भगवान विष्णु के साथ तुलसी का विवाह होता है, क्योंकि इस दिन भगवान विष्णु चार महीने तक सोने के बाद जागते हैं। चार महीनों के अंतराल के बाद इसी तिथि से हिन्दूओं में शादियां आरंभ हो जाती हैं। तुलसी विवाह के दिन व्रत रखने का बड़ा महत्व होता है।

तुलसी विवाह की कथा

प्राचीन काल में जलंधर नामक राक्षस ने चारों तरफ बड़ा उत्पात मचा रखा था। वह बड़ा वीर तथा पराक्रमी था। उसकी वीरता का रहस्य उसकी पत्नी वृंदा का पतिव्रता धर्म था। उसी के प्रभाव से वह विजयी बना हुआ था। जलंधर के उपद्रवों से परेशान देवगण भगवान विष्णु के पास गए तथा रक्षा की गुहार लगाई। उनकी प्रार्थना सुनकर भगवान विष्णु ने वृंदा का पतिव्रता धर्म भंग करने का निश्चय किया। उन्होंने जलंधर का रुप धर कर छल से वृंदा का स्पर्श किया। वृंदा का पति जलंधर, देवताओं से पराक्रम के साथ युद्ध कर रहा था लेकिन वृंदा का सतीत्व नष्ट होते ही मारा गया। जैसे ही वृंदा का सतीत्व भंग हुआ, जलंधर का सिर उसके आंगन में आ गिरा। जब वृंदा ने यह देखा तो क्रोधित होकर जानना चाहा कि वह कौन है जिसने उसे स्पर्श किया था। सामने साक्षात विष्णु जी खड़े थे। उसने भगवान विष्णु को शाप दे दिया, जिस प्रकार तुमने छल से मुझे पति वियोग दिया है, उसी प्रकार तुम्हारी पत्नी का भी छलपूर्वक हरण होगा और स्त्री वियोग सहने के लिए तुम भी मृत्यु लोक में जन्म लोगे। यह कहकर वृंदा अपने पति के साथ सती हो गई। वृंदा के श्राप से ही प्रभु श्रीराम ने अयोध्या में जन्म लिया और उन्हें सीता वियोग सहना पड़ा। जिस जगह वृंदा सती हुई वहां तुलसी का पौधा उत्पन्न हुआ।

एक अन्य कथा में आरंभ इसी प्रकार है लेकिन इस कथा में वृंदा ने विष्णु जी को यह श्राप दिया था, ष्तुमने मेरा सतीत्व भंग किया है। अत: तुम पत्थर के बनोगे। यह पत्थर शालीग्राम कहलाया। विष्णु ने कहा, हे वृंदा, मैं तुम्हारे सतीत्व का आदर करता हूं लेकिन तुम तुलसी बनकर सदा मेरे साथ रहोगी। जो मनुष्य कार्तिक एकादशी के दिन तुम्हारे साथ मेरा विवाह करेगा, उसकी हर मनोकामना पूरी होगी। बिना तुलसी के शालिग्राम या विष्णु जी की पूजा अधूरी मानी जाती है। शालीग्राम और तुलसी का विवाह भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का ही प्रतीकात्मक विवाह माना जाता है।

पूजा की विधि

तुलसी विवाह के दौरान तुलसी पौधे के साथ विष्णु जी की मूर्ति भी उनके साथ स्थापित की जाती है। तुलसी के पौधे और विष्णु जी की मूर्ति को पीले वस्त्रों से सजाया जाता है। इसके बाद तुलसी के गमले को गेरु से सजाया जाता है। गमले के आस-पास शादी का मंडप बनाया जाता है। इसके पश्चात गमले को वस्त्र से सजाया जाता है और लाल चूड़ी पहनाकर और बिंदी आदि लगाकर श्रृंगार किया जाता है। इसके साथ टीका करने के लिए नारियल को दक्षिणा के रुप में तुलसी के आगे रखा जाता है। भगवान शालीग्राम की मूर्ति का सिंहासन हाथ में लेकर तुलसी के चारों ओर सात बार परिक्रमा किया जाता है। इसके बाद आरती की जाती है। विवाह इसके साथ ही संपन्न हो जाता है। विवाह करवाते समय लोग ॐ तुलस्यै नम: का जाप करते रहते हैं। जो लोग इस दिन व्रत रखते हैं, वे इस दिन अन्न ग्रहण नहीं करते हैं।

तुलसी का महत्व

तुलसी पौधा धार्मिक, आध्यात्मिक और आयुर्वेदिक महत्व की दृष्टि से एक विलक्षण पौधा है। जिस घर में इसकी स्थापना होती है, वहां आध्यात्मिक उन्नति के साथ सुख, शांति और समृद्धि स्वयं ही आ जाती है। इससे अनेक लाभ प्राप्त होते हैं, जैसे वातावारण में स्वच्छता और शुद्धता बढ़ती है, प्रदूषण पर नियंत्रण होता है और आरोग्य में वृद्धि होती है। आयुर्वेद के अनुसार, तुलसी के नियमित सेवन से व्यक्ति के विचार में पवित्रता व मन में एकाग्रता आती है और क्रोध पर नियंत्रण होने लगता है। आलस्य दूर हो जाता है और शरीर में दिन भर स्फूर्ति बनी रहती है। ऐसा कहा जाता है कि औषधीय गुणों की दृष्टि से तुलसी संजीवनी बूटी के समान है। पौराणिक कथाओं के अनुसार देवों और दानवों द्वारा किए गए समुद्र-मंथन के समय जो अमृत धरती पर छलका था, उसी से तुलसी की उत्पत्ति हुई थी। इसलिए इस पौधे के हर हिस्से में अमृत समान गुण पाए जाते हैं। हिन्दू धर्म में मान्यता है कि तुलसी के पौधे की जड़ में सभी तीर्थ, मध्य भाग तने में सभी देवी-देवता और ऊपरी शाखाओं में चारों वेद स्थित हैं। इसलिए, तुलसी का प्रतिदिन दर्शन करना पापनाशक समझा जाता है और इसके पूजन को मोक्षदायक कहा गया है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : निवेश लाभ देने लगे हैं और आप हो रहे लाभ को फिर से निवेश कर समझदारी का काम करेंगे। जिन जातकों को जीवनसाथी की तलाश है, उनके लिए विवाह के उचित प्रस्ताव आ सकते हैं। नौकरी या कारोबार से जुड़ी कोई बात आपको लगातार परेशान कर सकती है।

वृषभ : ईमानदारी से किया काम आपको पहचान जरुर दिलाएगा। धन निवेश करने से पहले आर्थिक योजना जरुर बना लें। जोखिमभरी या चालू स्कीमों पर पैसा ना लगाएं। पारिवारिक मामलों में गलतफहमियां विवाद पैदा करवा सकती हैं। आपको अपनी कही बातों की सफाई देनी पड़ सकती है।

मिथुन : दूसरों पर अपनी बात थोपने की कोशिश ना करें। अफवाहों से दूर रहें। छात्र आलस्य और थकान महसूस कर सकते हैं। पार्टनर के साथ ज्यादा समय बीत सकता है। आमदनी बढ़ने के योग हैं। खर्चा भी ज्यादा हो सकता है। सहकर्मियों से मदद मिलने के योग हैं।

कर्क : किसी बात को लेकर अपनी जिद पर अड़े रह सकते हैं। किसी की भी बात आंख मूंदकर ना मानें, अपने विवेक का प्रयोग करें। कठिन परिस्थिति का व्यावहारिक समाधान निकालने की कोशिश करें। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण लव लाइफ पर नेगेटिव असर पड़ रहा है।

सिंह : कानूनी विवाद का फैसला अटक सकता है और आपकी स्थिति दुविधाजनक बनी रह सकती है। छात्रों को अपने संशय दूर करने होंगे। रोमांटिक सितारे बुलंदी पर रहेंगे। नौकरी, बिजनेसमे या माता-पिता, परिवार के अन्य सदस्यों के साथ विवाद होने की आशंका है।

कन्या : प्रेम संबंध में अपनी भावनाएं छिपाएं नहीं, बल्कि उन्हें व्यक्त करें। फिजूलखर्ची से आपका बजट बिगड़ सकता है। छात्रों को सफलता मिलेगी। कुछ बड़े फैसले आप ले सकते हैं। पुराने मित्रों से मुलाकात संभव है।

तुला : व्यवसाय संबंधित अधूरे काम सफलता से पूरे करेंगे। आर्थिक सुख-समृद्धि का आनंद लेंगे। आपकी कमाई के स्रोत बढ़ते दिख रहे हैं। जीवन में आशावादी रवैया अपनाएं। पार्टनर के साथ गहराई से सोच-विचार में समय बीत सकता है। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं।

वृश्चिक : वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें, पारिवारिक जीवन में संतुलन बनाने के लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ सकती है। शिक्षा के क्षेत्र में इस दौराननौकरी करने वाले लोगों को कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, विद्यार्थियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको मानसिक शांति मिलेगी। आप अपने व्यवसाय में विस्तार या कुछ नई परियोजनाओं को भी देखेंगे।

धनु : कोई विवाद भी चल रहा हो तो वह सुलझ जाएगा। आर्थिक रुप से परिस्थिति मजबूत होने के आसार हैं। कोई नया उपकरण आप खरीद सकते हैं। बिजनेस में परिवार की सहायता से सफलता मिलेगी। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है। प्रेम में सफलता मिलने के योग हैं। मन की बातें या इच्छाएं शेयर करने की कोशिश करेंगे।

मकर : आप इस मुश्किल वक्त से भी पार पा ही लेंगे। सेहतमंद विकल्पों का चुनाव करेंगे। सर्विस सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए मुश्किल समय है। उनका पाला अड़ियल ग्राहकों से पड़ सकता है। भरोसेमंद लोगों से समय पर सही सलाह और मदद मिल सकती है। पढ़ने और कुछ नया सीखने में रुचि लेंगे। नौकरी और बिजनेस को लेकर यात्रा या खर्चा हो सकता है।

कुंभ : जीवन में ऐसे पल भी आते ही हैं, इसमें ग्लानि की कोई बात नहीं। कुछ लोग आपकी बात सुनने के लिए राजी नहीं हो पाएंगे। लोगों से फालतू बातों पर तकरार होने की आशंका है। आप अपने अधिकारों का प्रयोग करेंगे। आपके मन में कुछ असामान्य विचार आ सकते हैं, जो आपको खुद ही अच्छे नहीं लगेंगे। सरकारी कामकाज में समस्या हो सकती है।

मीन : सही निवेश के अवसर की तलाश रहेगी। रोमांस की बात बढ़ रही है। लाइफ पार्टनर का मूड खराब रह सकता है। भोजन में सावधानी रखें, कम भोजन करें। सोचे हुए काम पूरे करने की कोशिश करेंगे। एक्स्ट्रा इंकम या बिजनेस बढ़ाने के लिए आपके दिमाग में कई तरह के आइडिया आ सकते हैं। सरकारी कामों में अड़चन आ सकती है।

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर का घर में ही करें अभिवादन

अभिवादन, सलामी का सीधा प्रसारण ऑनलाइन माध्यम से। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विभिन्न स्रोतों से जायजा लिया

मुंबई- महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को अभिवादन करने का दिवस है। इस ग्रीटिंग के लिए जो कुछ भी करने की आवश्यकता है वह किया जाएगा। कहीं पर भी इसकी कमी नहीं होगी। हालांकि कोरोना संकट के कारण लोगों को इस साल उन्हें बधाई देने के लिए मुंबई में चौत्यभूमि की ओर नहीं जाना चाहिए। स्थिति को समझते हुए इन अनुयायियों को अपने कार्यो के माध्यम से अपने विचारों की तीव्रता दिखानी चाहिए उक्त अपील मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने की। मुख्यमंत्री ठाकरे की अध्यक्षता में ६ दिसंबर को डॉ. भारत रत्न बाबासाहेब आंबेडकर के ६४ वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर, टेलीविजन प्रणाली के माध्यम से एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। महापरिनिर्वाण दिवस समन्वय समिति ने भी अनुयायियों से ६ दिसंबर को अभिवादन के लिए मुंबई नहीं आने की अपील की है। समिति ने संबंधित एजेंसियों को चौत्यभूमि में अभिवादन कार्यक्रम के संबंध में दिए गए सुझावों पर कार्यवाई करने का भी निर्देश दिया गया। इस अनुसार

महापरिनिर्वाण दिवस पर, चौतन्यभूमि पर मानवंदन, दर्शन और लाइव प्रसारण सहित विभिन्न सुविधाओं व ऑनलाइन माध्यमों जैसे विभिन्न माध्यमों से स्मारक में हेलीकॉप्टर वर्षा की योजना बनाई जाएगी। बैठक में गृह मंत्री अनिल देशमुख, सामाजिक न्याय मंत्री धनंजय मुंडे, मुंबई के संरक्षक मंत्री असलम शेख, सांसद राहुल शेवाले, विधायक सदा सरवनकर, मुख्य सचिव संजय कुमार, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सीताराम कुंटे, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रधान सचिव विकास खड़गे, मुंबई नगर आयुक्त समेत आय.एस. चहल, मनीषा म्हैसकर, प्रमुख सचिव, पर्यावरण विभाग, सुबोध कुमार जायसवाल, पुलिस महानिदेशक, प्रदीप व्यास, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य महेश पाठक, प्रमुख सचिव, शहरी विकास वलसाड नायर-सिंह, सचिव पर्यटन परमवीर सिंह, पुलिस आयुक्त मुंबई राजीव निवातकर, जिला डॉ. भालचंद्र मुंगेकर, महापरिनिर्वाण दिवस समन्वय समिति के सचिव नागसेन कांबले, समिति के उपाध्यक्ष महेंद्र साल्वे, सी.एल थुल आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर हमारे भगवान हैं। बाबासाहेब जीवन भर अन्याय के खिलाफ लड़ते रहे। उनके अभिवादन कार्यक्रम में लोगों के जीवन को जोखिम में डालना सही नहीं है। कोविड का संकट दूर नहीं हो रहा है। चौत्यभूमि में भीड़ के बिना डॉ. बाबासाहेब के अभिवादन के लिए सभी उपाययोजना की जाएगी। इससे पहले भी सभी त्योहारों को सादगी से मनाया गया है। डॉ. बाबासाहेब का महापरिनिर्वाण एक अवसर है। जिसमें अभिवादन दिया जाता है। शिवसेना प्रमुख हिंदू प्रदय सम्राट बाला साहेब ठाकरे का हालिया स्मृति दिवस भी सादगी से मनाया गया। यह उल्लेख करते हुए कि विथुराय के पंधारी वारी जो पहले लाखों लोगों की भीड़ के साक्षी थे को बस करना था मुख्यमंत्री ने कहा कि महापरिनिर्वाण दिवस पर भीड़ के बिना कुछ की उपस्थिति में अभिवादन करने के लिए महापरिनिर्वाण दिवस समन्वय समिति का निर्णय स्वागत योग्य है। गृह मंत्री देशमुख ने कहा कि महापरिनिर्वाण दिवस समन्वय समिति ने एक अच्छी भूमिका निभाई है। अब तक सभी धर्मो ने बहुत सादगी से त्योहार मनाया है।

महापरिनिर्वाण दिवस डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर का आभार व्यक्त करने का दिन है। लेकिन कोरोना संकट के इसे सादगी से मनाए। नियमों का पालन किया जाए तो इस संकट को रोका जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अभिवादन और दर्शन के लिए गृह विभाग सहित सभी एजेंसियों के बीच समन्वय बनाए रखा गया था। उपरोक्त चर्चा के दौरान मुंबई शहर जिला के संरक्षक मंत्री शेख के साथ ही सांसद शेवाले, विधायक सरवनकर, समन्वय समिति के सचिव कांबले, उपाध्यक्ष साल्वे, डॉ. मुंगेकर और अन्य लोगों ने भी भाग लिया।

डिजिटल ७/१२ पर वर्ष २०२०-२१ के लिए खसरा बढ़ाकर किसानों को तत्काल उपलब्ध कराएं : देवरी तहसील एनसीपी तहसीलदार को वक्तव्य

संवाददाता देवरी- डिजिटल ७/१२ को ऑनलाइन अपडेट नहीं करने के कारण सरकारी खरीद केंद्र खोलने के बावजूद तहसील में कई स्थानों पर धान की खरीद बंद कर दी गई है। पटवारी कार्यालय ने ७/१२ को अपडेट नहीं किया। चूंकि डिजिटल ७/१२ पर वर्ष २०२०-२१ में कोई खसरा नहीं है, इसलिए कहा जाता है कि किसानों को खरेदी केंद्र से खसरा लाना चाहिए। देवरी तहसील एनसीपी द्वारा तहसीलदार को एक बयान जारी किया गया। महाराष्ट्र सरकार के आदेश के अनुसार सरकारी अनाज खरीद केंद्र आदिवासी निगम द्वारा शुरु किया गया है। लेकिन सरकारी अनाज खरीद केंद्र ने किसानों को ऑनलाइन डिजिटल सातबारा प्रदान किया है। हालांकि इसे किसानों को उपलब्ध नहीं कराया गया है। क्योंकि तहसील कार्यालय ने वर्ष २०२०-२१ में किसानों को खसरा उपलब्ध नहीं कराया है। परिणामस्वरुप तहसील में किसान अपनी उपज को अनाज खरीद केंद्र पर नहीं बेच पा रहे हैं। इससे किसानों को असुविधा हो रही है। देवरी तहसील राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी द्वारा तहसील कार्यालय देवरी के माध्यम से एक बयान जारी किया गया कि तहसील के किसानों को वर्ष २०२०-२१ के लिए डिजिटल सातबारा पर खसरा अपलोड करके किसानों को तुरंत उपलब्ध कराया

जाए। इस अवसर पर छोटेलाल बिसेन तहसील अध्यक्ष रमेश ताराम, अध्यक्ष कृषि उपज मंडी समिति दिलीप दुरुगकर तहसील उपाध्यक्ष दीपेश टेम्भरें भैय्यालाल चांदेवर, नेमीचंद अंबिलकर, सर्वानंद चनाप, सुजीत कुमार अग्रवाल, भास्कर धरमशहारे, दिलीप कुंभरे, राजु लांडेकर आदी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धम्म का प्रचार-प्रसार के माध्यम से अज्ञान के अंधकार को हटाए- वंजारी

संवाददाता (खातिया) - गोंदिया भारतीय बौद्ध महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष महाउपाशीका मीराताई आंबेडकर द्वारा चलाए जा रहे हैं धम्म कार्य में धम्म का प्रचार- प्रसार कर तथागत बुद्ध व परम पूज्य डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के बताए मार्ग पर चलकर अज्ञान के अंधकार को दूर करें उक्त आशय कामठा सर्कल अध्यक्ष योगीराज वंजारी ने व्यक्त किये वे भारतीय बौद्ध महासभा सर्कल कामठा द्वारा आयोजित सभा में बोल रहे थे। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुवात में प्रज्ञा शील कन्या जैसे मानवीय मूल्यों की स्थापना करने वाले तथागत भगवान गौतम बुद्ध व बोधिसत्व परम पूज्य डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किए गया व त्रिशरण पंचशील कर सभा कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। इस अवसर पर प्रमुख रुप से तहसील महासचिव कोमलकुमार नंदागवली, तहसील उपाध्यक्ष मनोहर भावे, तहसील संगठक राजकुमार गजभिए, पूर्व जिप सदस्य विजय लोनारे, सर्कल महिला उपाध्यक्ष अस्मिता उके ,लेखाजोखा अध्यक्ष मायाराम गजभिए, कार्यालयीन सचिव विजय मेश्राम, संतोष उके, सरत्कर गजभिए उपस्थित थे। इस अवसर पर सभा में विभिन्न विषयों पर सर्कल पदाधिकारियों ने चर्चा की कार्यक्रम का संचालन महासचिव विजेंद्र मेश्राम ने किया शरनतनय लेकर कार्यक्रम संपन्न किया गया।

चैतालीसिंह नागपुरे की नियुक्ती : समिक्षा बैठक में लिया निर्णय

गोंदिया- दीपावाली के पर्व पर कामठा में विधायक विनोद अग्रवाल समर्थक चाबी संघटन की समिक्षा बैठक ली गई। इस बैठक में गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रमुख कार्यकर्ताओं एंव पदाधिकारी बडी संख्या मे उपस्थित हुये थे। इस समिक्षा बैठक में आगामी जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव हेतु चाबी संघटन की मजबुती को लेकर चर्चा की गई। साथ ही गोंदिया तहसील की महिला प्रमुख पद पर चैतालीसिंह नागपुरे की नियुक्ती की घोषणा की गई। जिसके चलते कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। आगामी चुनाओं में चाबी संघटन चुनाव लड़ने वाली है, यह सुनकर विरोधी पक्ष हरकत मे आ गये थे । इसके पश्चात ही तहसील महिला प्रमुख के पद पर चैतालीसिंह नागपुरे की नियुक्ती से विरोधीयो की परेशानी बढ गई है। चाबी संघटन एक परिवार है और इस परिवार मे बहोत सारे सदस्य है। अगर परिवार मे कोई भी कठीनाई आती है तो उसे सुलझाने की जिम्मेदारी परिवार की है। इसलिए हम सबको संघटित होकर परिवार की समस्या सुलझाना होगा। परिवार जितना बडा होगा उतना ही फायदा होंगा इसलिए संघटन को बढ़ाने का कार्य हम सबको मिलकर

करना होगा। दी गई जिम्मेदारी बहुत बड़ी है जिसे निभाने के लिए सभी का योगदान जरुरी है। महिला शक्ति एक होने से समाज और राजनीति मे क्या बादलाव लाये जा सकते है इसके अनेक सारे उदाहरण इतिहास में है। महिलाओ को संघटित होकर राजनीति में बदलाव लाना जरुरी है। ऐसे विचार चैतालिसिंह नागपुरे ने कार्यकर्ताओ के सामने व्यक्त करते हुये उन्हे दी गये जिम्मेदारी को बखुबी निभाने की पूर्ण कोशिश करेंगे ऐसे मंच पर उपस्थित सभी को आश्वासित किया। जिला परिषद पंचायत समिती चुनाव की चहलपहल संपूर्ण जिले में जोरों पर है। विधानसभा चुनाव में निर्दलीय जीत हासिल कर विधानभवन मे अपनी जगह बनाने वाले गोंदिया जिले के इतिहास में पहले और एकमात्र निर्दलीय विधायक बनने वाले जनता के विधायक विनोद अग्रवाल ने किसी भी पार्टी के साथ न जाते हुए खुद का चाबी संघटन स्थापन किया। आगामी जिला परिषद पंचायत समिति चुनावों मे पूरी ताकत से लड़ने का ऐलान छत्रपाल तुरकर की अध्यक्षता में हुए विनोद अग्रवाल समर्थकों की समीक्षा बैठक मे किया गया। आगामी जिला परिषद पंचायत समिति चुनाओं में सभी जगह पर उमेद्वार खड़ा कर पूरी ताकत से चुनाव में जीत हासिल करेंगे, इस तरह की बात विधायक अग्रवाल द्वारा कही गई। वहीं उपस्थित सभी कार्यकर्ताओ को तनमन से काम करने का आदेश दिया गया। पिछले विधानसभा के चुनाव में हमे जहां कम मतदान हुआ है वहा ज्यादा ले और जहां अच्छे प्रमाण मे मतदान हुआ है वहां हमने पिछले १ साल में जो काम किए है वे काम लोगों तक पहुचाने का कार्य करने का अहवान किया गया। पिछले २०-२५ साल में जो काम नहीं हुए है उन्हें एक साल में करने का प्रयास किया गया है। जिसमें से कई कार्य पूर्ण हो गए तथा अन्य कार्य जारी है।

शासकीय धान खरीदी केंद्र

गोंदिया तहसील में तत्काल शुरु करें केन्द्र

- ५ करोड़ रु का शासकीय धान गोदाम से गायब करनेवाली सेंट्रल कृषक सोसायटी को खरीदी कार्य न देने की मांग

- गोंदिया शहर व ग्रामीण भाजपा की जिलाधिकारी से मांग

गोंदिया- गोंदिया तहसील में अब तक समर्थन मुल्य पर शासकीय धान खरीदी केंद्रों की शुरुवात नहीं होने से रोष व्यक्त करते हुए गोंदिया शहर व ग्रामीण भाजपा के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी के नाम उपजिलाधिकारी बेलपात्रे को ज्ञापन सौंप गोंदिया तहसील में जल्द से जल्द शासकीय धान गोदाम शुरु करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि गतवर्ष धान उत्पादक किसानों की मद्द हेतु सरकार द्वारा समर्थन मुल्य पर शासकीय धान खरीदी योजना में किसानों को मद्द देने के नाम से धान खरीदी संस्थाओं ने बड़े पैमाने पर घोटाला किया व अनियमितताएं की। जिसमें धान खरीदी के साथ-साथ मिलर्स, पीडीएस योजना अंतर्गत चावल ट्रांसपोटर तथा जनता के नेता सहीत सभी मिले हुए है। निश्चित रुप से इस वर्ष घोटाले पर रोक लगाने के लिए शासन द्वारा उपाय योजना की गई होंगी।

वहीं गोंदिया तहसील में घोटाले का किर्तीमान स्थापित हुआ है। गतवर्ष की धान खरीदी में से सेंट्रल कृषक सहकारी धान खरीदी संस्था ने लगभग ५ करोड़ रु लागत का २० हजार क्विंटल गोदाम से गायब कर दिया। अनेक शिकायतें तथा जिला प्रशासन के आदेश पर जिला पणन अधिकारी द्वारा संस्था के खिलाफ पुलिस थाने में फौजदारी मामला दर्ज कराया जाना अपेक्षित था। लेकिन डीएमओ ने मामले को दबाने की कोशिश करते हुए फौजदारी कार्यवाई नहीं की। इस संदर्भ में मात्र नोटिस जारी कर कार्यवाई से पल्ला झाड़ लिया। इस घोटाले के चलते निश्चित रुप से शासन का ५ करोड़ रु का धान डीएमओ की सहमति से गायब हुआ। उक्त घोटालेबाज संस्था को दुबारा किसी न किसी बहाने धान खरीदी का कार्य देने का प्रयास डीएमओ तथा जनता के नेताओं द्वारा किया जा रहा है। उसी प्रकार गोंदिया तहसील में धान खरीदी केंद्रो की यादी भी दिपावली एक दिन पूर्व को जारी की गई। लेकिन जिले की तहसीलों में अब तक कोई भी धान खरीदी केंद्र शुरु नहीं हो पाया।

धान खरीदी केंद्र शुरु न होने से किसानों को परेशानी

गोरेगांव तहसील के कुरहाडी में प्रतिवर्ष धान खरीदी केंद्र शुरु किया जाता था। लेकिन इस वर्ष धान खरीदी केंद्र की संस्थाओं में गड़बड़ी पाए जाने से जिला प्रशासन द्वारा संस्थाओं की जांच शुरु है। जिस वजह से धान खरीदी केंद्र शुरु करने की मंजूरी को २० दिन से अधिक हो गए है। लेकिन अभी तक कुरहाडी में धान खरीदी केंद्र शुरु नहीं हो सका। जिस वजह से प्रशासन ने गोरेगांव के धान खरीदी केंद्र को कुरहाडी ग्राम तथा अन्य ग्रामों से जोड़ दिया है। लेकिन समस्या यह निर्माण हो रही है कि कुरहाडी ग्राम से गोरेगांव की दुरी १० कि.मी. है। जिससे किसानों को धान बेचने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए किसानों द्वारा मांग की जा रही है कि तत्तकाल कुरहाडी ग्राम में धान खरीदी केंद्र शुरु कर किसानों की परेशानी कम की जाए। इस संदर्भ में ध्यान नहीं दिया गया तो प्रशासन के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

उक्त चेतवावनी उससभापति सुरेंद्र बिसेन, समाज सेवक नीरज धामगाये, आनंद पटले, ईश्वरलाल हुकरे, राजेंद्रनाथ मेश्राम द्वारा दी गई है। ज्ञात हो कि जिला पणन अधिकारी कार्यालय की ओर से जिले में ५८ धान खरीदी केंद्र शुरु करने की मंजूरी गत २० दिनों पूर्व दी गई। लेकिन गोरेगांव तहसील के धान खरीदी केंद्र में खामियों के चलते उनकी जांच चल रही है। यही एक कारण है कि कुरहाडी सहित अन्य ग्रामों में धान खरीदी केंद्र शुरु नहीं हो पाए है। किसानों ने धान की फसल काटकर रख दी है। लेकिन धान खरीदी केंद्र शुरु नहीं होने से उन्हें धान बेचने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते किसान मजबुरी में अपना धान व्यापारियों को बेच रहे है। वहीं दुसरी ओर जनप्रतिनिधि तथा प्रशासन द्वारा अहवान किया गया है कि कोई भी किसान व्यापारियों को अपना सातबारा न दें। यह अहवान किसानों के हित में तो है लेकिन धान खरीदी केंद्र शुरु न होने से मजबुरी में किसानों को अपना धान व्यापारियों के हांथो बेचने में मजबुर होना पड़ रहा है।

डवकी व भर्रेगांव में आधारभुत धान खरीदी केंद्र का उद्घाटन

- किसानों ने ली राहत की सांस

संवाददाता देवरी- शासकीय आधारभुत धान खरीदी केंद्र शुरु करने की मांग किसानों द्वारा की जा रही थी। आखिरकार आदिवासी विविध कार्यकारी सहकारी संस्था डवकी अंतर्गत डवकी तथा भर्रेगांव में आधारभुत धान खरीदी केंद्र का उद्घाटन १८ नवंबर को किया गया। डवकी तथा भर्रेगांव में में धान खरीदी केंद्र का उद्घाटन कार्यक्रम के अध्यक्ष के व संस्था के अध्यक्ष मेहतरलाल कोराम ने किया। इस अवसर पर सरपंच उमराव बावनकर, उपसरपंच गोपाल परसगाये, संस्था के अध्यक्ष रामु परसगाये, गिरधारी राउत, लक्ष्मण नाईक, जगदीश बावनकर, तुकराम नाईक, क्रषिकपूर कोरे के साथ ही पुलिस पाटिल संध्या बहेकार सहित किसान उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संस्था के सचिव सुनील ओरासे द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन संस्था के उपाध्यक्ष धरमश्हारे द्वारा माना गया।

बोरो से भरा धान का ट्रैक्टर पलटा

संवाददाता तिरोड़ा- नगर परिषद अंतर्गत आनेवाले अवंतीबाई वार्ड में सकरे रास्तों के कारण नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं यहां से आवगमन करनेवाले वाहन सकरे रास्तों तथा रोड़ के आजु-बाजु में भरन नहीं होने से दुर्घटना का शिकार हो रहे है। बुधवार को धान के बोरो से भरा ट्रैक्टर पलट गया। जिसमें मालीक को गंभीर रुप से चोट आई। इसके पूर्व भी इस प्रकार की कई घटनाएं घटित हो चुकी है। इस संदर्भ में नगराध्यक्ष व मुख्यधिकारी को सुचना दी गई। लेकिन इसके बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। सड़क की कम चौड़ाई तथा रास्तों के आजु-बाजु में भरन नहीं होने से नागरिकों ने इसके पूर्व आंदोलन करने की चेतावनी दी थी। जिसके उपरांत मुख्याधिकारी ने बारिश के मौसम के बाद इस समस्या को हल करने का आश्वासन दिया था। लेकिन अभी तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। बुधवार को धान की बोरी से भरा ट्रैक्टर तिरोड़ा की ओर आ रहा था। लेकिन सड़क के किनारे लेने के दौरान ट्रैक्टर पलट गया। बताया गया उक्त किसान धान भरकर तिरोड़ा बिक्री करने हेतु जा रहा था। इसी दौरान उसका ट्रैक्टर पलट गया। इस घटना में किसान के भरे हुए धान के बोरे सड़क में फैल गए वहीं अपनी धान को बिक्री हेतु ले जानेवाला किसान भी उपरोक्त घटना में गंभीर रुप से घायल हो गया। जिसका उपचार तिरोड़ा उपजिला चिकित्सालय में किया जा रहा है। नगर परिषद की इस लचर कार्यप्रणाली के चलते नागरिकों में रोष देखा जा रहा है।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

संक्षिप्त समाचार

गालीगलौच को लेकर मारपीट

गोंदिया- तिरोड़ा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम गांगला में गालीगलौच करने को लेकर मारपीट हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार फर्यादी मोरेश्वर नथ्थु तुमसरे (३५) के पुत्र को मेरे बेटे को गालीगलौच क्यों दी ऐसा बोलते हुए आरोपी ने फर्यादी के बेटे प्रांजल मोरेश्वर तुमसरे (६)के सिर पर सब्जी काटने की हंसिया से हमला कर घायल कर दिया। शिकायत के आधार पर धारा ३२४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मवेशियों से भरा वाहन पकड़ाया

गोंदिया- रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले आंबेडकर चौक कुडवा गोंदिया में फर्यादी पुलिसकर्मी बैस स्टॉप समेत गश्त लगा रहे थे। इसी दौरान वाहन क्र. एमएच ४० ए.सी. ४६३५ में ७ मवेशियों को निर्दयतापूर्वक बिना चारेपानी की व्यवस्था कर ले जाते पकड़ा गया। पुलिस ने कार्यवाई करते हुए वाहन समेत कुल ५ लाख ८० हजार रुपए का माल जब्त किया। फर्यादी की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धारा ११ (१) (ड) प्रा. छ.प्रति, अधिनियम १९६० की सहायत धारा (अ) (ब), ९ (अ) (ब) महाराष्ट्र संरक्षण १९७६ सुधरित २०१५ के तहत मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच पुलिस हवलदार टेंभुर्णीकर कर रहे है।

दो लोगो की अकास्मिक मौत

गोंदिया- जिले में घटित हुई दो विभिन्न दुर्घटनाओं में दो लोगो की अकास्मिक मौत हो गई। पहली घटना रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत सामने आई। जहां बरपुरा गांव में आयोजित कार्यक्रम हेतु एक ही वाहन में तीन लोग सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान हिवरा गांव के समीप स्थित नाले के पास उनका वाहन अनियंत्रित होकर टकरा गया। इस घटना सुरेशकुमार रणदिवे (२५) निवासी खैरलांजी के सिर पर गंभीर चोट आई थी। जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां हालत में सुधार नहीं होने से उसे नागपुर मेडिकल कॉलेज में लाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। शिकायत के आधार पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया। दुसरी घटना आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम सुपलीपार में घटित हुई जहां सावलराम शिवणकर ने किन्ही अज्ञात कारणों के चलते जहर का सेवन कर लिया जिससे उसकी केटीएस चिकित्सालय में मौत हो गई। फर्यादी पुलिस हवलदार कोहरे की शिकायत के आधार पर आमगांव पुलिस ने धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत १२ दिसंबर से

गोंदिया- जिला विधी सेवा प्रधिकरण जिला न्यायालय गोंदिया की ओर से जिला न्यायालय, कामगार न्यायालय व जिले की तहसील विधी सेवा समिती की ओर से सभी तहसीलों के न्यायालय में १२ दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। न्यायालय में जाने से पूर्व प्रकरण तथा न्यायालय दाखल तडजोपात्र फौजदार प्रकरण एन.आय. ॲक्ट की धारा १३८ बॅक रिकव्हरी का प्रकरण, वैवाहिक व पारिवारिक प्रकरण, कामगारों का प्रकरण, भूसंपादन का प्रकरण, दिवाणी प्रकरा जैसे भाडा, बैंक, वसूली प्रकरण, कामगार के प्रकरण, विद्युत व पानी चोरी करने का प्रकरण व दर्ज मामलों के पहले के प्रकरण, का निपटारा किया जाएगा। उक्त समस्या का निपटरा न्यायाधीश, तज्ञ वकील व सामाजिक की मद्द से निपटाया जाएगा। वहीं प्रलंबित प्रकरण के लिए ३० नवंबर तक आवेदन पेश किया जा सकता है।

दीवार ढहने से महिला की मौत

गोंदिया- सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम मुरपार में कच्ची ईंटो की दीवार ढहने से महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रंजना रमेश वरखडे (३०) अपने घर में मौजुद थी। इसी दौरान दीवार ढहने से महिला की घटनास्थल में मौत हो गई। शिकायत के आधर पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया।

फांसी लगाई

गोंदिया- आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम आसोली में शराब के नशे में एक व्यक्ति ने फांसी लगा ली। मृतक का नाम प्रेमलाल धपाडे (४८) बताया गया। फर्यादी शुशीला संतोष धपाडे (४३) की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया।

मोटरसायकल चोरी

गोंदिया- रावणवाड़ी पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम भादुटोला निवासी फर्यादी रवि शिशुपाल बरेल (२८) ने अपनी मोटर सायक क्रमांक एमएच ३५ ए.एन. ८९०६ कीमत ५० हजार को अपने घर के सामने रखी थी। इसी दौरान किसी अज्ञात आरोपी ने सुनेपन का लाभ लेकर फर्यादी की मोटरसायकल लेकर फरार हो गया। शिकायत के आधार पर धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया।

मोटर पंप की चोरी

गोंदिया- तिरोड़ा पुलिस थाना अंतर्गत आलेवाले ग्राम लाखेगांव में फर्यादी दुर्गेश दुधराम बारेवार (३२) ने अपने खेत की सिंचाई हेतु वरोना कंपनी हॉर्स पॉवर इंजन मोटर नंबर एस.एस.सी.सी. ९३१५० मोटर पंप कीमत ६० हजार रु नाले में लगाई हुई थी। इसी दौरान किन्ही अज्ञात चोरो ने सुनेपन का लाभ लेकर फर्यादी का इंजन मोटर पंप लेकर फरार हो गए। फर्यादी की शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरो के खिलाफ धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया।

दो मोटरसायकलों में भिडंत

गोंदिया- डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम सड़क अर्जुनी में फर्यादी मदललाल विठोबाजी बहेकार (६४) निवासी बनगांव अपने पुत्र कमलेश बहेकार (३५) के साथ मोटर सायकल क्रमांक एमएच ३५ ४ बी. २६३८ सड़क अर्जुनी की ओर जा रहा था। इसी दौरान पिछे से आ रही मोटर सायकल क्र एमएच ३५ व्ही १२९० के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए फर्यादी के वाहन को टक्कर मार दी। जिसमें विनायक ब्राम्हणकर, मदनलाल बिठोबा बहेकार, कमलेश मदनलाल बहेकार सभी निवासी बनगांव गंभीर रुप से घायल हो गए। फर्यादी की शिकायत के आधार पर धारा २७९, ३३७, ३३८ व सहायक धारा १८४ के तहत मामला दर्ज किया गया।

रेत तस्करों पर गिरेगी गाज

जिलाधिकारी ने दिया कार्यवाई करने का निर्देश

गोंदिया- इस वर्ष जिले की रेती घाटों की नीलामी नहीं होने से बड़े पैमाने पर रेत तस्करी के मामलों में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। वहीं रेत तस्कारों द्वारा जिले की रेती घाटो से बड़े पैमाने पर निरंतर अवैध उत्खन्न कर शासन को लाखों रुपए का चुना लगाया जा रहा है। रेती माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो गए है कि कार्यवाई किये जाने पर वे उपरोक्त कर्मचारियों से मारपीट करने में भी उतारु हो जाते है। उसी प्रकार रेती माफियाओं का गिरोह जिले में तेजी से सक्रिय हो रहा है। लेकिन अब अवैध रुप से उत्तखन्न कर सरकार को नुकसान पहुंचाने वाले रेत तस्कारों पर कड़ी कार्यवाई करने के निर्देश जिलाधिकारी दीपक कुमार मीना द्वारा दिया गया है। इस हेतु जिलाधिकारी द्वारा बैठक का आयोजन किया जा चुका है।

कोरोना महामारी के जारी प्रकोप तथा प्रदुषण नियंत्रण मंडल की ओर से लेटलतीफी आदेश देने कारण चलते जिले की ४० घाटो की निलामी नहीं हो पाई है। जिसका फायदा उठाते हुए रेती माफियाओं ने अवैध रुप से उत्खन्न करना शुरु कर दिया। जिले के तिरोड़ा, आमगांव व सड़क अर्जुनी तहसील में बड़े पैमाने पर अवैध रुप से रेत का उत्खन्न किया जाता है। जिसके चलते रेती घाटों में बड़े-बड़े गढ्ढों का निर्माण हो गया तथा रेती भी कम नजर आ रही है। जिससे नीलामी के दौरान खरीददार मिलने में भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को रेत माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्यवाई करने के निर्देश दिए। उसी प्रकार रेती घाटों सीसीटीवी कैमरे लगाना, गश्त बढ़ाने तथा विशेष पथक तैयार करने व तस्कारी के लिए उपयोग में लाये जानेवाले वाहनों में कड़ी नजर रखने के साथ ही कई विभाग प्रमुखों को किसी भी समय कार्यवाई करने के निर्देश जिलाधिकारी दीपक कुमार मीना दे दिया। इस दौरान तस्करों के खिलाफ कार्यवाई में लापरवाही बरतनेवाले कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्यवाई की जाएगी।

संबंधित अधिकारियों पर होंगी कार्यवाई

जिले की सभी तहसीलों महसलु यंत्रणा को रेती माफियाओं के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाई करने की सुचना दे दी गई है। इस अंतराल में जिस किसी भी तहसील में तस्करी का प्रमाण अधिक होंगा तो संबंधित अधिकारी पर कार्यवाई की जाएगी।

डंपिंग यार्ड में लगी आग का विधायक विनोद अग्रवाल ने किया निरीक्षण

गोंदिया- शहर के डंपिंग यार्ड में जमा कचरे में १८ नवंबर को आग लग गई थी। शिकायत मिलते ही आग पर नियंत्रण पाया गया। लेकिन आग कैसे लगी यह सवाल शहरवासियों को सता रहा है। जिसका संज्ञान लेते हुए गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल १९ नवंबर को मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। दोबारा इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति ना हो इसका ध्यान रखा जाए। यह निर्देश भी विधायक विनोद अग्रवाल ने नगर परिषद प्रशासन को दिए। १८ नवंबर को गोंदिया शहर के डंपिंग यार्ड में आग लगी जिसकी जानकारी परिसर के नागरिकों द्वारा विधायक विनोद अग्रवाल दी गई। आग को बुझाया गया लेकिन आग कैसे लगी ? यह सवाल बना हुआ है। डंपिंग यार्ड में लगी आग के कारण पूरे परिसर में धुआं होने से प्रदूषण बढ़ गया तथा क्षेत्र के निवासियों ने बताया कि इससे स्वास्थ्य पर बुरा असर भी हो सकता है। इसके लिए प्रशासन को संज्ञान लेना चाहिए। जानकारी मिलते ही विधायक विनोद अग्रवाल मौके पर पहुंचे। इस अवसर पर मुख्य अधिकारी करण चौहान, दुर्गेश राहंगडाले, हर्षद पवार, सुभाष मुंदडा एवं नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। विधायक अग्रवाल ने निर्देश दिए कि आग से उठने वाले धुएं के कारण लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। दोबारा इस तरीके की घटना न हो इसका पूरा ध्यान रखा जाए, इस प्रकार की घटना दुबारा न घटित हो इस हेतु कमेटी गठन कर निगरानी के कार्य किए जाए। इस तरह का निर्देश विधायक विनोद अग्रवाल ने नगर परिषद को दिया।

अवैंध रुप रेती ले जा रहा ट्रैक्टर पकड़ाया

गोंदिया- अवैध रुप से रेती ले जा रहे ट्रैक्टर को पुलिस ने वडेगांव रोड़ पर पकड़ा। उक्त कार्यवाई १८ नवंबर की दोपहर १.२० के दौरान की गई। रेती व वाहन सहित कुल ६ लाख ३ हजार रु. का माल जब्त किया गया। सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार स्थानिक अपराध शाखा में कार्यरत सहायक फौजदार फिर्यादी लिलेंद्र बैस अन्य कर्मचारियों के साथ गश्त लगा रहे थे। इसी दौरान मिली गुप्त जानकारी के आधार पर ट्रैक्टर क्र. एमएच ३५ जी- ६२४९ बिना नंबर की ट्राली को वडेगांव रोड़ पर रोक पुछताछ कर कागजात दिखाने को कहा लेकिन ड्रायवर के पास कोई दस्तावेज नहीं था। देवरी थाने में आरोपी मालक व चालक के खिलाफ धारा ३७९,१०९ के तहत मामला दर्ज किया गया।

बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान

खरीदी केंद्रो में भी धान को नुकसान जिले के सभी स्थानों में बारिश

गोंदिया- जिले में २० नवंबर को हुई बेमौसम बारिश के चलते कटाई कर रखा धान भिगने से किसानो को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। मौसम विभाग द्वारा शुक्रवार और शनिवार को बदरीले मौसम के साथ ही बारिश की आशंका जताई गई थी। शुक्रवार को दोपहर के दौरान हुई बेमौसम हुई बारिश के कारण किसानों कटाई कर रखा धान भिग गया। उसी प्रकार धान खरीदी केंद्रो में भी धाान के बोरे गिले हो गए। इस वर्ष खेती की शुरुवात से ही किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पहले देरी से हुई बारिश फिर धान खरीदी केंद्र शुरु करने को लेकर किसान संघर्ष कर रहे थे। लेकिन शुक्रवार को हुई बेमौसम बारिश के कारण किसानों के धान को बड़े पैमाने पर नुकसान होने की जानकरी है।

छात्र मुल दस्तावेज प्रस्तुत करें

गोंदिया- जिला जात प्रमाणपत्र जांच समिति गोंदिया में व्यावसायिक पाठयक्रमो संबंधित अर्ज प्रस्तुत किया है तथा जो व्यावसायिक पाठयक्रम प्रवेश पात्र है। ऐसे विद्यार्थी तुरंत जरुरी दस्तावेज के साथ समिति के समक्ष पेश रहे। यदि जाति वैधता प्रमाण पत्र की कमी के कारण आपका प्रवेश रद्द हो जाने पर समिति जिम्मेदार नहीं होगी। इस तरह की अपील उपायुक्त और जिला जाति प्रमाणपत्र सत्यापन समिति के सदस्य देवसुदन धरगावे द्वारा की गई है।

हजारो किमी सायकल से यात्रा कर कोरोना के प्रति जनजागृती

कोल्हापुर जिले से गोंदिया पहुंचा नितिन

गोंदिया- कोरोना के प्रति जनजागृती को लेकर कोल्हापुर जिले के एक युवक ने साढ़े तीन हजार किमी सायकल से सफर कर गोंदिया में कोरोना महामारी को लेकर जनजागृती करने का कार्य किया। युवक का नाम नितीन नागनुरकर (२९) है। इस दौरान अधिकांश जिलो में जाकर जिलाधिकारी से चर्चा कर अपने उपक्रम की जानकारी दी। प्रशासन से इस उपक्रम को सफल बनाने के लिए के लिए सहयोग प्रदान कर कोविड़-१९ ये बचाव के लिए दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करने का अहवान किया। नितीन नागनुरकर ने कहा कि कोरोना वायरस ने सिर्फ भारत को ही नहीं अपितु पुरे विश्व को अपनी चपेट में लिया। लाखों लोगो की इस बिमारी से मौत हुई। वहीं अर्थव्यवस्था भी पुरी तरह से प्रभावित हुई है। इस बिमारी को दुर करना हर नागरिक का लक्ष्य है। अभी इस बिमारी नियंत्रण पाने के लिए वैक्सीन विकसित नहीं हुई है। लेकिन इस बिमारी से बचने के लिए सामाजिक दुरी, मास्क लगाना यह मात्र एक उपाय है। कोरोना महामारी की जनजागृती को लेकर नितीन कोल्हापुर जिले से १८ अक्टुबर पुरे महाराष्ट्र भ्रमण हेतु सायकल से निकला है। महाराष्ट्र के सातारा, नगर पुणे, नाशिक, नंदुबार, धुले, जलगांव, बुलढाणा, अकोला, अमरावती, चांदुर रेलवे, चंद्रपुर, गढ़चिरोली तथा वडसाा होते हुए २१ नवंबर को गोंदिया जिले में पहुंचा। शहर के भ्रमण के दौरान अनेक स्थानों पर सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क का उपयोग नहीं किया जा रहा है। इसी तरह के नजारे अन्य शहरो में भी देखे गए। कोरोना महामारी को लेकर नितीन द्वारा लोगो को जागृत किया जा रहा है।

जनशक्ति ने झूठों को आईना दिखाया, अब तस्वीर बदलने की बारी -विधायक विनोद अग्रवाल

गोंदिया- कुछ लोग ऐसे भी है, जो सिर्फ स्वयंभू होकर चुनाव लड़ते है और सत्ताा सुख का ख्वाब बुनकर लालायित होते है। ऐसे लालायित स्वयंभू लोगो को इस क्षेत्र की जनशक्ति ने पिछले चुनाव में ही आईना दिखा दिया है। लेकिन फिर भी आज वो झूठ का लिबास ओढ़कर विकास की बातें कह रहे है। अब तस्वीर बदल गई है, ऐसे लोगों को आगामी जिप. पंस.चुनाव में हर क्षेत्र से लुप्त करने की बारी आ गई। इस तरह की बात विधायक विनोद अग्रवाल ने आसोली जिला परिषद क्षेत्र के आसोली, दतोरा, सहित विभिन्न ग्रामों में आयोजित बैठकों में कही। इस दौरान उन्होंने युवाओं एवं महिलाओं को संगठन से जोड़ने की बात कही। विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा आगामी समय में जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव होने जा रहे हैं। हमें इस चुनाव में चाबी संगठन को मजबूती से मैदान में उतारना है। जनशक्ति ने जिस तरह मुझ पर विश्वास कायम कर अन्य पक्षो को ठुकराकर एक निर्दलीय के रुप में स्वीकार किया है। वही जनशक्ति इस चुनाव में दिखाकर मेरे हाथ मजबूत करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कुछ लोग आज भी विकास के कार्यों में रोड़ा बन अवरोध निर्माण कर रहे है। क्योंकि उन्हें पता है कि, जितने विकास कार्य एक साल में हुए है वो कार्य वो पांच साल में नही कर पाएं। मेरा विश्वास और संकल्प है कि मैं हर स्तर पर विकास के साथ हर व्यक्ति का विकास कर पाएंगे। चाहे जितने भी परेशानी आये सत्य पराजित नहीं हो सकता। हम चाबी संगठन के माध्यम से इस आगामी चुनाव में आपके ही बीच से आपके जनप्रतिनिधित्व हेतु उम्मीदवार उतारेंगे। बैठक में भाउराव ऊके, छत्रपाल तुरकर, धनंजय तुरकर, मुनेश रहांगडाले, रामराज खरे, परसराम आदि उपस्थित थे।

आदिवासी छात्र व महिलाओं के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण

२४ से देवरी में जनजातीय परियोजना का परीक्षण

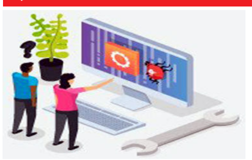

गोंदिया- जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से राज्य में १०० छात्रों और महिलाओं को मुक्त सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें आदिवासी विकास विभाग के तहत आश्रम स्कूल और छात्रावास के छात्रों को प्राथमिकता देते हुए एक प्रतिष्ठित कंपनी में रोजगार के लिए प्रयास किए जाएंगे। पुणे में आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण के लिए बेसिक गणित के विषय का परीक्षण मंगलवार २४ को राज्य के एकीकृत जनजातीय परियोजना कार्यालय के स्तर पर किया जाएगा। गुरुग्राम (हरियाणा) में नवगुरुकुल फॉउंडेशन फॉर सोशल वेलफेयर २०१६ से सामाजिक और आर्थिक रुप से वंचित वर्गो के युवाओं के लिए एक वर्षीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम श्डिप्लोमा इन सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग आयोजित कर रहा है। इस वर्ष छात्राओं और महिलाओं व अवसर आदिवासी लड़कियों और महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए, संगठन ने केवल युवा महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को लागू करने का निर्णय लिया है। अब तक १०० महिला छात्रों का चयन किया गया है और शेष १०० सीटों के लिए आश्रम स्कूलों और आदिवासी विकास विभाग में छात्रालय की महिला छात्रों का चयन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया चार चरणों में होगी। पहले चरण के लिए राज्य में एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना कार्यालय के स्तर पर मंगलवार को बुनियादी गणित की परीक्षा आयोजित की जाएगी। चयनित लोगों को कोंढवा (पुणे) में एक वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण का पूरा खर्च संगठन द्वारा किया जाएगा।

न्यूनतम पात्रता :

- आयु : १७ से २५ वर्ष
- शैक्षणिक योग्यता : १० वीं पास
- आर्थिक रुप से पिछड़े और वंचित वर्गों की लड़कियों और महिलाओं के लिए ही अवसर

प्रवेश प्रक्रिया : पहले चरण में बुनियादी गणित विषय पर दो घंटे की ऑफलाइन परीक्षा होगी। इसे उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की मूल अंग्रेजी परीक्षा फोन कॉल द्वारा ली जाएगी। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों के मूल बीजगणित का परीक्षण फोन कॉल द्वारा किया जाएगा। इन सभी चरणों से गुजरने के बाद चयनित छात्रों की सहमति माता-पिता के परामर्श से मांगी जाएगी और फिर उन्हें प्रशिक्षण के लिए चुना जाएगा।

संदीप जोशी का युवा मोर्चा गोंदिया द्वारा भव्य स्वागत

गोंदिया- विधान परिषद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लोकप्रिय भाजपा उम्मीदवार नागपुर के महापौर संदीप जोशी का भारतीय जनता युवा मोर्चा गोंदिया द्वारा बापट लॉन गोंदिया में एक अभियान कार्यक्रम में भव्य स्वागत किया गया।

अभियान कार्यक्रम में मुख्य रुप से परिनय फुके, सांसद सुनील मेंढे, विधायक विजय राहंगडाले, पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, नगराध्यक्ष अशोक इंगले, संपर्क प्रमुख वीरेंद्र अंजानकर, महामंत्री संजयजी कुलकर्णी, राज्य सदस्य नेतराम कटारे, जिला उपाध्यक्ष दिनेश दादरीवाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष भावना कदम, डॉ प्रशांत कटरे, अशोक चौधरी, संजय टेंभरे व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।